>

Title: Regarding reported death of 4 Children during vaccination programme of Measles, BCG and Hepatitis in Mohanlalganj, Uttar Pradesh.

**श्रीमती सुशीला सरोज (मोहनलालगंज):** अध्यक्ष महोदया, दिनांक 21 अगस्त, 2010 को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से सटे हुए तीन ग्राम पदमिनखेड़ा, रामपुरगढ़ और बिंदौआ गांव मेरे लोक सभा संसदीय क्षेत्र मोहनलालगंज के अंतर्गत आते हैं। यहां यूपीए की माननीय अध्यक्षा बैठी हुई हैं। मैं कहना चाहती हूं कि ये क्षेत्र आपके क्षेत्र की सीमा से लगे हुए हैं। वहां एक गांव में खसरे के टीका लगाते हुए तीन बच्चे मरे और दूसरे गांव में दो बच्चे मरे।

अध्यक्षा जी, मैं आपके संज्ञान में लाना चाहती हूं कि जब इन बच्चों को जच्चा-बच्चा अभियान के अंतर्गत खसरे का टीका लगाया जा रहा था, तो उनके मुंह से तत्काल झाग निकली और वे मां की गोद में सदा के लिए सो गए। यही नहीं, दूसरे गांव पदमिनखेड़ा में एक टीम बैठी थी, जो डीपीसी और खसरे का टीका लगा रही थी। वहां भी बच्चे मां की गोद में ही मर गए। जब सारे बच्चों को सामुदायिक केन्द्र में ले जाया गया, तो वहां माताओं का विलाप और क्षेत्र के लोगों का कोहराम मच गया। वहां कोई शासकीय लोग नहीं पहुंचे।

मैं बहुत वेदना के साथ कहना चाहती हूं कि आप भी महिला और मां हैं। यूपीए की अध्यक्षा भी महिला और मां हैं और मैं भी एक महिला और मां हूं। मैं महिलाओं की तरफ से इस सदन में फरियाद लेकर आई हूं। आज बच्चों को दो बूंद पिलाने की जो योजना सरकार द्वारा चल रही है, उसमें बच्चों को मौत दी जा रही है। यह डाक्टरों की लापरवाही है। मैं बड़े दुख, वेदना और आक्रोश के साथ कहना चाहती हूं कि पूरी व्यवस्था की लापरवाही के कारण इतनी बड़ी दर्दनाक घटना घट गई, जिसमें बच्चों की मौत हो गई। यह केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की घोर लापरवाही है। इस वक्त मोहनलालगंज सामुदायिक केन्द्र में एक जांच टीम पहुंची हुई है।

अध्यक्ष महोदया, वहां पर सुनील नाम का विकलांग व्यक्ति है, उसका बच्चा मर गया है। वह व्यक्ति चल-फिर नहीं सकता है, उसे गोद में उठाकर पूछताछ के लिए ले जाया जाता है। वह व्यक्ति वहां बेहोश हो जाता है। इसी तरह एक लड़की जो उन्नाव की रहने वाली है, वह मात्र 19 साल की है। उसकी छः महीने की बच्ची गोद में खेल रही थी। वह वहां अपने भाई को राखी बांधने आई थी। वहां पर जब टीका लगाने का अभियान चलाया जा रहा था तो उसके भाई ने उसे भी टीका लगाने के लिए भेजा। उस लड़की ने जब अपनी छोटी सी बच्ची को टीका लगवाया, तो टीका लगाते ही उस बच्ची के मुंह से फेन निकला और उसकी मृत्यु हो गई। इसके बाद उसने वहां आशा से कहा कि देख लीजिए, मेरे बच्चे की क्या हालत हो रही है। उन लोगों ने कहा का यह बच्चा बेहोश है, इसे सामुदायिक केन्द्र में ले चलो। जब उसे सामुदायिक केन्द्र में ले जाया गया, तो जो नर्स और आशा उसके साथ गई थीं, उस मृत बच्चे को अकेला छोड़कर वे अस्पताल से भाग गई।

अध्यक्ष महोदया, मैं कहना चाहती हूं कि वहां पर इस तरह की दर्दनाक और हृदयविदारक स्थिति पैदा हो गई है। पुलिस वाले भी लाशों को देखकर पंचनामा नहीं बना रहे थे, जिससे पोस्टमार्टम के लिए इन लाशों को भेजा जाए। मैं कहना चाहती हूं कि केन्द्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस मामले में जो घोर लापरवाही हुई है, ऐसा लगता है कि वहां नकली और एक्सपायरी दवाओं का इस्तेमाल किया गया है। मैं सदन में केन्द्र सरकार से मांग करना चाहती हूं, यहां पर यूपीए की चेयरपर्सन भी बैठी हुई हैं, कि सरकार द्वारा मृतकों के परिवार वालों को पांच-पांच लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। इसके साथ ही साथ राज्य सरकार द्वारा भी इन मृतकों के परिवार वालों को पांच-पांच लाख रुपए मुआवजे के तौर पर दिए जाएं। वे परिवार बहुत गरीब हैं, झोंपड़ियों में रहते हैं और उनके बच्चों के कफन के लिए भी उनके पास पैसे नहीं थे। इसलिए वहां जो पंचायत की जमीन बची हुई है, उसमें से कम से कम तीन-तीन एकड़ जमीन उन परिवार वालों को खेती के लिए दी जाए।

अध्यक्ष महोदया, अभी यह मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि इलाहाबाद में भी एक बच्चे को टीका लगाने के 12 घंटे के बाद मृत्यु हो गई है। यह घोर लापरवाही है। इस पर एक टीम वहां भेजी जाए और दोषी लोगों को सजा दी जाए। जो पीड़ित परिवार हैं, उन्हें मुआवजा दिया जाए।...(व्यवधान)

**श्री दारा सिंह चौहान (घोसी) :** यह बहुत गम्भीर मामला है, इस पर उत्तर प्रदेश सरकार ने गम्भीरता से निर्णय लिया है। वहां सारे लोगों को सस्पेंड कर दिया गया है। पीड़ित परिवारों को मुआवजा भी दिया गया है और इस मामले की जांच हो रही है। ...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया:** जो सदस्य अपने को इस विषय से एसोसिएट करना चाहते हैं, वे अपने नाम टेबल पर भेज दें। श्री शैलेन्द्र कुमार अपने को इस विषय से एसोसिएट करते हैं।

...(व्यवधान)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI V. NARAYANASAMY): Madam Speaker, the hon. Minister for Health and Family Welfare, Shri Ghulam Nabi Azad, sent a team of doctors to go and verify and report back to him. Therefore, the Central Government is also seized of the matter, and the State Government is also taking steps.
As soon as the Minister gets the report, we will come back to the House....(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Nothing is going on record except what Dr. Ratna De says.

*(Interruptions) â€¦**